



Mohan

04 Mar 1969

06:50 PM

Pithoragarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121481302

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 04/03/1969
दिन _____: मंगलवार
जन्म समय _____: 18:50:00 घंटे
इष्ट _____: 30:44:06 घटी
स्थान _____: Pithoragarh
राज्य _____: Uttarakhand
देश _____: India

अक्षांश _____: 29:35:00 उत्तर
रेखांश _____: 80:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:09:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 18:40:48 घंटे
वेलान्तर _____: -00:11:51 घंटे
साम्पातिक काल _____: 05:29:18 घंटे
सूर्योदय _____: 06:32:21 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:10:03 घंटे
दिनमान _____: 11:37:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: वसन्त
सूर्य के अंश _____: 20:22:13 कुम्भ
लग्न के अंश _____: 29:51:50 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी _____: सिंह - सूर्य
नक्षत्र-चरण _____: पू०फाल्गुनी - 4
नक्षत्र स्वामी _____: शुक्र
योग _____: धृति
करण _____: बालव
गण _____: मनुष्य
योनि _____: मूषक
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: वनचर
वर्ग _____: श्वान
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: टू-टूंगार
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मीन

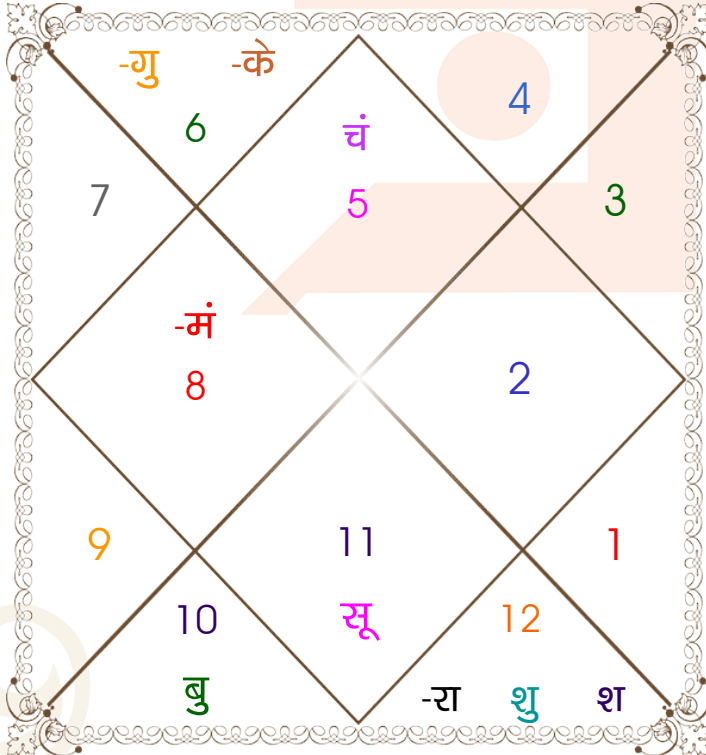
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न		सिंह	29:51:50	315:24:30	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	---
सूर्य		कुंभ	20:22:13	01:00:05	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र		सिंह	24:23:39	13:02:25	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
मंगल		वृश्चि	09:46:45	00:25:32	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	स्वराशि
बुध		मक	25:10:59	01:18:44	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	सम राशि
गुरु	व	कन्या	09:53:35	00:06:56	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र		मीन	29:52:14	00:28:32	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	उच्च राशि
शनि		मीन	29:41:15	00:06:29	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	सम राशि
राहु	व	मीन	06:48:46	00:00:52	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
केतु	व	कन्या	06:48:46	00:00:52	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व	कन्या	09:19:06	00:02:25	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	---
नेप	व	वृश्चि	05:16:47	00:00:07	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
प्लूटो	व	कन्या	00:37:39	00:01:35	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	---
दशम भाव		वृष	29:31:36	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	शनि	--

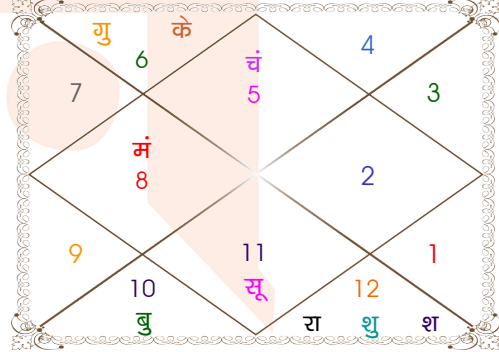
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:25:36

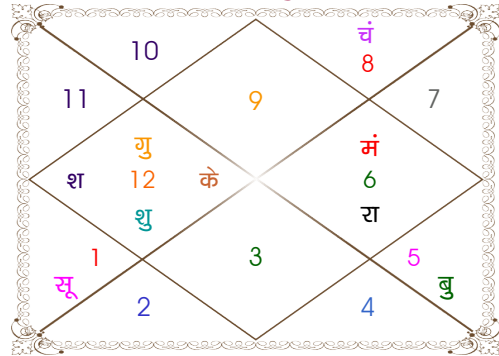
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 3 वर्ष 4 मास 27 दिन

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
04/03/1969	31/07/1972	01/08/1978	31/07/1988	01/08/1995
31/07/1972	01/08/1978	31/07/1988	01/08/1995	01/08/2013
00/00/0000	सूर्य 18/11/1972	चंद्र 01/06/1979	मंगल 27/12/1988	राहु 13/04/1998
00/00/0000	चंद्र 19/05/1973	मंगल 31/12/1979	राहु 15/01/1990	गुरु 06/09/2000
00/00/0000	मंगल 24/09/1973	राहु 01/07/1981	गुरु 22/12/1990	शनि 14/07/2003
00/00/0000	राहु 19/08/1974	गुरु 31/10/1982	शनि 31/01/1992	बुध 30/01/2006
00/00/0000	गुरु 07/06/1975	शनि 31/05/1984	बुध 27/01/1993	केतु 18/02/2007
00/00/0000	शनि 19/05/1976	बुध 31/10/1985	केतु 25/06/1993	शुक्र 17/02/2010
04/03/1969	बुध 26/03/1977	केतु 01/06/1986	शुक्र 25/08/1994	सूर्य 12/01/2011
बुध 01/06/1971	केतु 01/08/1977	शुक्र 31/01/1988	सूर्य 31/12/1994	चंद्र 13/07/2012
केतु 31/07/1972	शुक्र 01/08/1978	सूर्य 31/07/1988	चंद्र 01/08/1995	मंगल 01/08/2013

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
01/08/2013	01/08/2029	31/07/2048	01/08/2065	31/07/2072
01/08/2029	31/07/2048	01/08/2065	31/07/2072	00/00/0000
गुरु 19/09/2015	शनि 03/08/2032	बुध 28/12/2050	केतु 28/12/2065	शुक्र 01/12/2075
शनि 01/04/2018	बुध 13/04/2035	केतु 25/12/2051	शुक्र 27/02/2067	सूर्य 30/11/2076
बुध 07/07/2020	केतु 22/05/2036	शुक्र 25/10/2054	सूर्य 05/07/2067	चंद्र 01/08/2078
केतु 13/06/2021	शुक्र 23/07/2039	सूर्य 31/08/2055	चंद्र 03/02/2068	मंगल 01/10/2079
शुक्र 12/02/2024	सूर्य 04/07/2040	चंद्र 30/01/2057	मंगल 01/07/2068	राहु 01/10/2082
सूर्य 30/11/2024	चंद्र 02/02/2042	मंगल 27/01/2058	राहु 19/07/2069	गुरु 01/06/2085
चंद्र 01/04/2026	मंगल 14/03/2043	राहु 15/08/2060	गुरु 25/06/2070	शनि 31/07/2088
मंगल 08/03/2027	राहु 18/01/2046	गुरु 21/11/2062	शनि 04/08/2071	बुध 04/03/2089
राहु 01/08/2029	गुरु 31/07/2048	शनि 01/08/2065	बुध 31/07/2072	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशों के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 3 वर्ष 4 मा 17 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रुचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते हैं। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते हैं।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं हैं बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।